2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
GENERAL HINDI	0 5 1	ENGLISH

[redacted] से मिलाकर लगायें

[redacted]

पुस्तिका का क्रमांक 320 -

परीक्षार्थी का रोल नम्बर 1950068

अंकों में

2	0	4	6	3	0	8	7	1

शब्दों में

Two	ZERO	FOUR	SIX	THREE	ZERO	EIGHT	SEVEN	ONE

[redacted]

एक एक दो चार तीन

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 06

ग :– परीक्षा का दिनांक 06 03 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा केन्द्र क्र.461040

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
केन्द्राध्यक्ष केन्द्र क्रं.-461040 (हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Sh R. S. Sharma Principal Govt Pt K. C. Sharma	R.S. THAKUR (Advocate) Pt. K.C. Sharma G.H.S.S. Khurai, Distt. Sagar V. No

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषया ... प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न ... 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्रा...
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

de'smat

प्रश्न क्र.

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति -

(i) ओजगुण

(ii) माँ

(iii) महात्मा गांधी

(iv) समास शैली

(v) तीन

2. सही विकल्प -

(i) उद्धव

(ii) गोपालसिंह 'नेपाली'

(iii) क्रांति का

(iv) तत्पुरुष

(v) असंभव कार्य करना

योग पूर्व पृष्ठ ... अंक
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

3.) सत्य / असत्य -

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

4.) सही जोड़ी बनाइए -

क	ख
(i) धरती का ताज	हिमालय
(ii) अमोघ शक्तियाँ	शब्द और कृति
(iii) घटा	काले बादलों का समूह
(iv) आकाशवाणी	पारिभाषिक शब्द
(v) विपरीतार्थ शब्द-युग्म	लाभ - हानि

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

5.) एक वाक्य में उत्तर –

(i) 'ताप-त्रय' दैविक, भौतिक और दैहिक है।

(ii) बल के अभाव में बुद्धि-कौशल पंगु है।

(iii) सिरचन 'ठेस' कहानी का पात्र है।

(iv) अर्जुन की स्वीकारोक्ति है - 'चंचल मन का निग्रह वायु की गति रोकने के समान दुष्कर है।'

(v) मिश्र वाक्य में एक सामान्य, मुख्य वाक्य होता है, तथा दूसरे अन्य उपवाक्य आश्रित होता है।

उत्तर – 6

वर्तमान समय में पुस्तक पढ़ने की आदत दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। इसका मुख्य कारण सूचनाक्रांति तथा दूरदर्शन है।

परंतु इस ओर हमें ध्यान देना चाहिए और पुस्तक पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना चाहिए।

उत्तर - 7 (अथवा)

बालक ने दयालु महिला से सवाल किया - 'मैं इस दूध का मूल्य कैसे चुका पाऊँगा ।' बालक की बात सुनकर महिला ने उत्तर दिया की तुम्हें इसके लिए कुछ नहीं चुकाना होगा। क्योंकि हमारे बुजुर्गों ने कहा है कि सदाशयता के किसी कार्य के लिए कीमत की अपेक्षा नहीं करते । बालक महिला को सश्रद्ध निहारता चला गया ।

उत्तर - 8

भारतेन्दु युगीन निबंधकारों के नाम -

1.) भारतेन्दु हरिशचन्द्र
2.) प्रतापनारायण मिश्र
3.) बालकृष्ण भट्ट
4.) बद्रीप्रसाद नारायण

उत्तर - 9

द्विवेदी युग के निबंधों की विशेषताएँ -

1.) भाषा तथा व्याकरण संबंधित विषयों पर ध्यान दिया।
2.) द्विवेदी जी ने 'सरस्वती' पत्रिका के संपादन कर निबंधकारों को मार्गदर्शन दिया।

B
S
E

प्रश्न क्र.

उत्तर - 10

कर्मधारय समास में विशेषण - विशेष्य का तथा उपमान - उपमेय का संबंध होता है। इसमें पूर्व पद विशेषण तथा उत्तर पद विशेष्य होता है।

कर्मधारय समास

पूर्वपद (विशेषण) — (उपमान तथा उपमेय) — उत्तरपद (विशेष्य)

उदाहरण - नीलगगन - नीला है जो गगन
कमलनयनम् - कमल के समान नयन

उत्तर - 11

(i) हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करना चाहिए।

(ii) वह बुद्धिमती स्त्री है।

उत्तर - 12 (अथवा)

प्रकृति तथा मनुष्य का गहरा संबंध है। प्रकृति तथा मनुष्य एक दूसरे के बिना अधूरे है। प्रकृति मनुष्य के जीवन

में अनेक कठिनाईयाँ उत्पन्न करती है किंतु मनुष्य हर बार इस पर खरा उतरता है। मछुआरे प्रतिदिन कठिनाईयों का सामना करते हैं। समुद्र की लहरें उनके मार्ग में विपदा पैदा करती है, किंतु वह साहस के बल पर अपनी नाव को खेते हुए दिखाई देते है तथा प्रकृति पर इस प्रकार विजय प्राप्त कर लेते हैं।

उत्तर - 13

(i) स्वर्ग सिधार जाना - मृत्यु हो जाना
वाक्य - राम के पिताजी स्वर्ग सिधार गए है इसीलिए उसे अपने जीवन निर्वाह के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

(ii) भागीरथ प्रयत्न करना
अर्थ - कठिन परिश्रम करना
वाक्य - रमेश परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए भगीरथ प्रयत्न कर रहा है।

उत्तर - 14

(i) क्षति -
अर्थ - हानि
वाक्य - यदि हम जीवन में परिश्रम नही करते तो हमें क्षति होती है।

प्रश्न क्र.

क्षिति
अर्थ - पृथ्वी
वाक्य - क्षिति में अनेक जनसमूह निवास करते है।

(ii) गृह
अर्थ - घर, निकेतन
वाक्य - पंकज अपने गृह काम की वजह से देरी से पहुँचा।

R

(ii) ग्रह
अर्थ - नक्षत्र
वाक्य - हमें अपने ग्रह पर ध्यान देना चाहिए।

उत्तर - 15 (अथवा)

(i) कड़वा x मीठा
(ii) धनी x निर्धन
(iii) सजीव x निर्जीव
(iv) आसान x कठिन

उत्तर - 16

सितम्बर के महीने में अवर्षा के कारण सभी जगह त्राहि-त्राहि मची हुई थी। ऐसी स्थिती में जुलाई प्रथम वर्षा का आगमन होता है

तो वह पृथ्वी की तपन को हर लेने वाली, मनुष्य के मन को वर्षा की बूँदो से तृप्त कर देती है। सारा वातावरण स्वच्छ हो जाता है तथा हमें शुद्ध वायु मिलती है। वर्षा से सभी पेड़- पौधे हरे भरे हो जाते है। सड़के धुलकर साफ हो जाती है। यह मनुष्य की तपन को हर लेती है। वातावरण में सभी ओर हरियाली हो जाती है। यह मनुष्य, पशु - पक्षी सभी को सुख देने वाली पुलकित स्पर्श कर प्रदान करती है।

उत्तर - 17

रवीन्द्रनाथ टैगोर, सौंदर्यशास्त्र पर पुस्तक पढ़ पढ़ रहे थे। बहुत देर से पुस्तक पढ़ते हुए वे यें जानने के लिए उत्सुक थे कि - 'सौंदर्य क्या है?' पूर्णिमा की रात थी, उन्हें नींद आने लगी थी तथा ऊब सी होने लगी थी। इसीलिए उन्होंने मोमबत्ती बुझा दी। जैसे ही उन्होंने मोमबत्ती बुझाई, चाँदनी उनकी खिड़की और दरवाजे से अंदर आने लगी है। यह सौंदर्य बड़ा ही मनोरम था। उन्हें यह देख उनके मुख से अकस्मात निकल पड़ा - 'ये है सौंदर्य।' वे कक्ष से बाहर निकल

छत पर आ गए, वे उन्हें ऐसा लगा जैसे व चाँदनी की झील मे उतर गए हों। इस मनोहारी चित्रण को देख वे कहने लगे की शब्द तो केवल माध्यम है इस हेतु अनुभूति करनी होती है।

उत्तर-18 (अथवा)

समय की पाबंदी को लेकर गांधीजी ने अपना विशेष मत प्रकट किया। उनका कहना था कि मनुष्य को बिलकुल भी समय व्यर्थ नही करना चाहिए। समय की पाबंदी के गुण से ही मनुष्य अपने जीवन मे सफल हो सकता है। जो व्यक्ति समय का महत्व नही समझते, उन्हें असफलता का मुख देखना पड़ता है। गांधीजी स्वयं समय की पाबंदी का ध्यान रखते थे इसी कारण वे देश को आजादी दिलाने में सफल हुए। वे कहते है कि ईश्वर स्वयं समय का पाबंद है इसीलिए वह विशाल दुनिया को चला रहे हैं। इस हेतु वह कहते है कि हमें अपने जीवन में समय की पाबंदी पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

B
S
E

कुल अंक

B
S
E

उत्तर - 19 (अथवा)

कवि ने हमारे हिमालय से कई संबंध बताए हैं, उनमें से तीन निम्नलिखित है -

1.) हिमालय धरती पर अटल, अडिग और अविचल, वह कभी भी नष्ट होने वाला नही हैं, इसी प्रकार हमारे भारतवासी भी धरती पर अटल है, वे अपने कर्तव्यो से मुँह नही मोड़ते ।

2.) जिस प्रकार सुबह के समय सूर्य की किरणें हिमालय से टकराती एवं सूर्यास्त के समय भी वे टकराती हैं, दोनो ही स्थिती में वह समान भाव से सुंदर दिखती है। इसी प्रकार भारतवासी भी है वे सुख - दुःख, उत्थान - पतन सभी समय एक जैसे दिखते है।

3.) हिमालय से टकराकर तूफान भी शांत भी हो जाते है। इसी प्रकार भारतवासी भी हैं वे जीवन में आने वाले तूफानों का सामना भली प्रकार से करते हैं। मनुष्य गंगा का जल पीकर अमर हो गया है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

B S E

उत्तर - 20 (अथवा)

छत्रसाल की तलवार को प्रलयकालीन सूर्य के समान कहा गया है। छत्रसाल की म्यान से निकली तलवार प्रलयकालीन सूर्य के समान चमकती हुए दिखाई दे देती है। जिस प्रकार सूर्य अंधकार को चिरकर उजाला लाता है, उसी प्रकार छत्रसाल की तलवार पर बड़े-बड़े शत्रुओं को अंधकार के समान करते हुए उन्हें चिरकर उजाले के रूप में परिवर्तित कर देती है। छत्रसाल की तलवार मनुष्य के ऊपर पड़ी कवचो तथा हाथी के ऊपर पड़ी जाली का खात्मा कर देती है। छत्रसाल की तलवार प्रलयकालीन सूर्य के समान चमकती हुई दिखाई दे रही है।

उत्तर - 21 (अथवा)

कृष्ण अपनी माता से वन जाने हुए ज़िद कर रहे थे। वे ममतावश उन्हें रोकने का प्रयास करती है एवं वन की विभिन्न कठिनाईयाँ बताती है -

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(i) वन बहुत दूर है, तुम अपने छोटे-छोटे पैरो से कैसे चलकर जाओगे।

(ii) वन से लौटते समय रात हो जाती है, इस स्थिती में तुम्हे भूख और प्यास सताएगी।

(iii) तुम्हारा कोमल के समान कोमल शरीर मुरझा जाएगा।

उत्तर - 22

राजा की मृत्यु हो चुकी थी। उनका कार्यभार संभालने वाले कोई न था। उनकी कोई संतान नही थी। इसीलिए मंत्री का राजकार्य सँभालने की चिंता होने लगी थी। समस्या का समाधान सुनते हुए उन्होंने हँस और हँसिनी की बातो को प्रधानता दी।

देश में राज्यसभा कायम की गई। उसमें करीब 300 लोग थे। ये जनता द्वारा ही चुने गए थे। देश की आबादी करोड़ो में है। 1 लाख आबादी में से 1 व्यक्ति चुना गया। इस प्रकार राज्यसभा में 300 लोगो मे से एक को मुखिया बनाया गया। इसका कार्यभार सँभालने

हेतु चार व्यक्ति चुने गए। ये पांच व्यक्ति कार्यभार देखने लगे। राज्यसभा इनके ऊपर नजर रखती थी साथ ही कानुन बनाने का कार्य करती थी। जब इस प्रकार कार्य किया जाने लगा तो जनता और भी धनी और सुखी हो गई। इसमें जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा कार्य किया। इस प्रकार का राज्य बहुत फूला-फला। मंत्री भी अपनी कार्य की चिंता से मुक्त हो गए हैं। उन्होने हंस और हंसिनी की बातो को प्रधानता दी एवं विचारसभा कायम करके देश में राजकार्य करवाया। यह आज भी वर्तमान में कार्य हो रहा है। हमारा देश इसी प्रकार चल रहा है।

उत्तर - 23 (अथवा)

यह कविता सूरदास जी द्वारा रचित है। इसमें बालकृष्ण की बाललीलाओं का वर्णन किया गया है साथ ही माता

B
S
E

यो 15 क अंक कुल अंक

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

श्न क्र.

यशोदा को अपने पुत्र को विभिन्न रूपों मे देखने की इच्छा प्रकट की है। यह वर्णन उस समय का है जब बालकृष्ण की आयु सात या आठ मास की थी। उन्हें देखकर माता यशोदा के मन मे विभिन्न अभिलाषाएं जागती है -

1.) बालकृष्ण घुटनो के बल धीरे - धीरे चलना सिखें।

2.) अपनी मधुर वाणी में और तोतली भाषा मे नंद को बाबा तथा उन्हें माँ कहकर पुकारें।

3.) माता का आँचल पकड़कर बालहट करे, थोड़ा - थोड़ा खाकर पेट भरें।

4.) ऐसी मधुर हँसी हँसे जिससे माता यशोदा की सभी दुःख तकलीफें दुर हो जाए।

इस प्रकार की विभिन्न अभिलाषाएं है जो माता यशोदा के मन भर मे अपने पुत्र श्रीकृष्ण के प्रति जागती है।

B
S
E

BSE

उत्तर - 24

संदर्भ - प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक मकरंद के पाठ 'जागो फिर एक बार' से ली गई है। इसके रचयिता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' है।

प्रसंग - इन पंक्तियों में कवि ने सभी को जागृत होने की प्रेरणा दी है एवं गुरु गोविन्द सिंह जी का बखान किया है।

अर्थ - इन पंक्तियों में कवि सभी को जागृत करता है और कहता है कि हमारे देश में वीरों की परम्परा रही है जो वे युद्धभूमि में हमेशा संघर्ष कर आगे बढ़ते हैं तथा विजय प्राप्त करते हैं। इन वीरों का बलिदान आज भी हमारे लिए प्रेरणा का विषय है। हम इनका गान हमेशा करते हैं जिस तरह सिन्धु तीरवासी की बलिदान को आज भी गुणगान किया जाता है। युद्ध में गुरु गोविंद सिंह अपनी चतुरंगिणी सेना (हाथी, घोड़े, पैदल, रथ) को

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

लेकर युद्धभूमि में जाती है। गुरु गोविंद सिंह जी कहते हैं कि मेरी वीर सेना का एक सिपाही शत्रुओं की सवा - सवा लाख सेनाओं के बराबर है। वे कहते हैं कि मैं अपने एक के बलिदान हेतु शत्रुओं की सेना को चढ़ाऊँगा और तभी मैं अपना नाम गुरु गोविन्द सिंह कहलाऊँगा।

विशेष –
1.) वीरों के बलिदान का वर्णन
2.) भाषा प्रभावपूर्ण
3.) गोविंद सिंह की वीरता का बखान
4.) राष्ट्रीय नवजागरण

25) गद्यांश –

(i) 'कर्म की प्रधानता'

(ii) मिश्रित वाक्य

(iii) परिश्रम, दृढ़, इच्छाशक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

(iv) व्यक्ति को जीवन कर्म करने के लिए मिला है। इस धरती पर अच्छे कर्म करने वाले वाले व्यक्ति ही सफल हुए

B S E

प्रश्न क्र.

जैसे महात्मा गांधी आदि ने कर्म की प्रधानता को महत्व दिया एवं कठिनाइयों का सामना कर सफल हुए। हम अपने जीवन में परिश्रम को महत्व देना चाहिए की हम सफल हो जाए और दुःख और कष्ट दूर करें।

26.) अपठित गद्यांश –

(i) 'सच्ची शिक्षा'

(ii) कवि सच्चा धर्म दुश्मनों के आगे कभी न झुकने को मानता है।

(iii) सच्चा कर्म, सच्ची सेवा, सच्चा धर्म का पालन कर हम हमेशा जीवन में आगे बढ़े। हम कभी भी दुश्मनों के सामने नहीं झुके एवं अपनी भारत माता के दर्द को समझे। इसमें कवि हमें सही शिक्षा की ओर ले जाता है एवं ~~राष्ट्रीय~~ देशप्रेम को जागृत करता है।

(iv) 'मित्र'

प्रश्न क्र.

27.) शाला शुल्क मुक्ति ----- ।

प्रति,
श्रीमान प्रधानाध्यापक,
शासकीय उच्चतर माध्यमिक
विद्यालय, (देवास) म.प्र.।

विषय – शाला शुल्क माफ करवाने हेतु।

मान्यवर,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा - बारवी की छात्रा हूँ। मेरी आर्थिक स्थिती अच्छी नही हैं। मेरे पिताजी के पास जमीन है कि जिसकी वार्षिक आय ₹ 3000 हैं। इतने कम पैसो में हम अपना घर कठिनाइयों से चलाते हैं एवं मेरे दो भाई - बहिन और हैं, जिनका शिक्षा शुल्क देना होता है। मेरी आपसे निवेदन है कि मेरी आर्थिक स्थिती अच्छी न होने के कारण शाला - शुल्क माफ करने की कृपा करें। मेरी पढ़ाई के प्रति रुचि अधिक है एवं मैं कक्षा में प्रथम आती हूँ।
आशा है, आप इस ओर ध्यान देंगे एवं मेरी समस्या हल करेंगे।

सधन्यवाद।

दिनांक - 06/03/2020

आपकी आज्ञाकारी छात्रा
अ. ब. स
कक्षा - बारवी (अ)

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

28.) रूपरेखा —

28.) (ब)

(iii) परोपकार

रूपरेखा —

(i) प्रस्तावना
(ii) परोपकार क्या है ?
(iii) परोपकार का गुण
(iv) मनुष्य में परोपकार की भावना
(v) प्रकृति परोपकारी
(v) परोपकार से लाभ
(vi) परोपकार का जीवन में महत्व
(vii) परोपकार और मनुष्य का संबंध
(viii) उपसंहार

28.) (अ) विषय पर निबंध —

(iv) बेरोजगारी की समस्या

रूपरेखा

i) प्रस्तावना
ii) बेरोजगारी के प्रकार
iii) बेरोजगारी के कारण
iv) बेरोजगारी का मनुष्य जीवन पर प्रभाव
v) देश के विकास में बाधक
vi) समस्या का निदान
vii) उपसंहार

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF

प्रश्न क्र.

'बेरोजगारी की समस्या : देश की प्रगति में दीमक'

1.) प्रस्तावना –

हमारा भारत देश निरंतर विकास की ओर जो रहा है। यह विकासिल देश की गिनती में है। देश में अनेक समस्याएँ हैं जैसे– जनसंख्या वृद्धि, प्रदूषण, आदि। किंतु बेरोजगारी की समस्या आज देश के सामने प्रश्नवाचक चिह्न बनकर रख गई है, जो मनुष्य के जीवन में अनेक बाधाएँ उत्पन्न कर रही है।

2.) बेरोजगारी के प्रकार –

बेरोजगारी के मुख्यत: दो प्रकार हैं –

(i) पहली बेरोजगारी वह बेरोजगारी है जो कृषि के सामने है वे 5 से 8 महीनों तक बेरोजगार रहते है।

(ii) दूसरी बेरोजगारी वह है जो शिक्षित लोगो को उठानी पड़ती है जो डिग्री प्राप्त कर बेरोजगार है।

3.) बेरोजगारी के कारण –

बेरोजगारी के कई कारण है जो सामने आए है –

BSE

BSE MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

(i) जनसंख्या वृद्धि – जनसंख्या का बढ़ना बेरोजगारी का मुख्य कारण है। जो सभी को बेरोजगार कर गिनती बढ़ रही है।

(ii) सूक्ष्म उद्योगो का बंद होना – बेरोजगारी का एक और मुख्य कारण है छोटे - छोटे उद्योग बंद हो गई है, जिसके कारण बेरोजगार बढ़ रहा है।

(iv) बेरोजगारी का मनुष्य पर प्रभाव – बेरोजगारी की समस्या मनुष्य को अनेक कठिनाईयां उत्पन्न कर रही है। वे अपने परिवार का पालन पोषण करने में असमर्थ है एवं अपने आपको वह बेस समझने लगा है।

(v) देश के विकास में बाधक – बेरोजगारी की व्यापक समस्या देश के लिए बाधक है जो देश की उन्नति एवं विकास को रोक रही है एवं एक सही देश का निर्माण करने में दिक्कत प्रदान कर रही है।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

vi) समस्या का निदान –

बेरोजगारी की समस्या का निदान जनसंख्या वृद्धि को रोककर एवं उद्योगो की स्थापना कर कम की जा सकती है। व्यक्ति मे कार्य के प्रति बड़े - छोटे का भाव न हो - वह सभी काम का एक तरह का समझे।

(vii) उपसंहार –

बेरोजगार की व्यापक समस्या मनुष्यो के द्वारा ही खत्म हो सकती है। इस ओर केन्द्र को ध्यान देना होगा और देश मे व्याप्त समस्या का निदान कर देश को उत्कर्ष बनाना होगा।

"बेरोजगारी व्यक्ति जीवन में पतन की ओर जाता है, एवं खुद का सर्वनाश करे, देश का सर्वनाश करता है।"

BSE